प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– अमरोहा।

पत्र संख्याः एस0पी0एम0यू0/एस0एस0भ्रमण/अमरोहा/2018–19/3243 दिनांक 10-07-19

विषय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स/समस्याओं के निराकरण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना हैं कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 21.05.2019 से 23.05.2019 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिये गये (विवरण संलग्नक)। कृपया भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों को एवं दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही से शीघ्र ही अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

भवदीय,

<u>संलग्नक– यथोक्त।</u>

(थ्मीम अंसरिया ए0)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्याः एस0पी0एम0यू0/एस0एस0भ्रमण/सहारनपुर/2018–19/3243-6 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मुरादाबाद मण्डल, उ0प्र0।
3. जिला अधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, अमरोहा, उ0प्र0।
4. समस्त महाप्रबन्धक/उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, मुरादाबाद, उ0प्र0।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, अमराहो, उ0प्र0।

(डॉ0 मनोज कुमार शुक्ल)
महाप्रबन्धक–आयुष

जनपद अमरोहा की सपोर्टिव सुपरविजन विजिट आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 21.05.2019 से 23.05.2019

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री सौरभ तिवारी, सलाहकार, आर0के0एस0के0।
2. श्री विनीत श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक, आयुष।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उपरोक्त टीम द्वारा दिनांक 21–23 मई 2019 के मध्य जनपद अमरोहा का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा स्कूलों में संचालित आर0के0एस0के0/आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम व सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

जनपदीय अधिकारियों, जनपद अमरोहा के साथ बैठक में निम्नवत् बिन्दु प्रकाष में आये –

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
1. आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा संदर्भित किये गये बच्चों को अग्रिम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जाना सम्भव नही हो रहा। वित्तीय वर्ष 2018–19 में एक बच्चे की शल्य चिकित्सा न मिल पाने के कारण मृत्यु हुई थी। उक्त दशा में भी आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा बच्चो को दृष्टि दोष सम्बन्धित चिकित्सा उपलब्ध कराये जाने में सफलता पायी गयी। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2013–14 मे एक बच्चे के गुर्दे की पथरी का इलाज कराया गया था।	टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि नोडल अधिकारी एवं डी0आई0सी0 मैनेजर से अपेक्षित है कि आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा संदर्भित किये गये बच्चों को अग्रिम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संदर्भित किये गये जनपदीय अधिकारियों से सम्पर्क स्थापित कर पूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।	नोडल अधिकारी एवं डी0आई0सी0 मैनेजर
2. ए0पी0एच0सी0 टीगरी जैसी कई चिकित्सा इकाईयों में 24 X 7 सुविधा नही है क्योकि असुरक्षा की दृष्टि से चिकित्सक व स्टाफ इकाई पर नही रहते जबकि इकाई में क्वाटर उपलब्ध है। शहरी आबादी क्षेत्र से दूर ऐसी चिकित्सा इकाईयों हेतु सुरक्षा कर्मी/चौकीदार की आवश्यकता है।	टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि अनटायड फन्ड या अन्य आर0के0एस0 से दैनिक वेतन पर सुरक्षा कर्मी/चौकीदार की तैनाती कर चिकित्सक व स्टाफ इकाई पर रहना सुनिश्चित करे ताकि 24 X 7 सुविधा उपलब्ध कराया जाना सम्भव हो।	चिकित्सा प्रभारी
3. जनपद अमरोहा में तैनात अधिकतर चिकित्सक व स्टाफ के प्रशिक्षण/पुनच्श्चर्या प्रशिक्षण की आवश्यकता है। चिकित्सक व स्टाफ एन0सी0डी0 प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है किन्तु सम्बन्धित को एस0बी0ए0, पी0पी0आई0यू0सी0डी0, एन0एस0एस0के0, आर0के0एस0के0 प्रशिक्षण कराये जाने की आवश्यकता है।	टीम द्वारा सुझाव दिया गया जिन अधिकारियों व कर्मचारियों का प्रशिक्षण हो चुका है उनकी रिफरेशर ट्रेनिंग व अन्य की ट्रेनिंग करायी जायें।	नोडल अधिकारी
4. वित्त नियंत्रक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से प्राप्त राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की माह मार्च 2019 तक की वित्तीय रिर्पोटों के आधार पर जनपद अमरोहा द्वारा वर्ष 2018–19 में आवटन एवं कमिटेड के सापेक्ष मार्च 2018 मे मद संख्या 9.5.4.1*****Dissemination workshops under RKSK मे व्यय 100 प्रतिशत से अधिक, मद संख्या 9.5.2.19****Orientation on National Deworming Day व 11.7.3******Any other IEC/BCC activities(please specify)AH- B.11.1819014 में बेहद कम/शून्य पाया गया।	ब्लॉक/जनपद स्तर स्तर पर कम व्यय की समीक्षा कर वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु कार्ययोजना बनाकर ससमय कार्यवाही एवं भुगतान सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	जिला लेखा प्रबंधक/ब्लाक लेखा प्रबंधक
5. वित्तीय वर्ष 2018–19 में जनपद अमरोहा में कुल 08 सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के वाहन उपलब्ध पाये गये किन्तु उनके अनुबन्ध की कापी राज्य स्तर पर वर्तमान तक उपलब्ध नही करायी गयी। समस्त वाहन हाने के उपरांत एक भी भ्रमण आख्या/चेकलिस्ट http://www.upnrhm.gov.in के पोर्टल पर अपलोड नही है, समस्त अधिकारी/कर्मचारी की भ्रमण आख्या पोर्टल पर अपलोड कराने की आवश्यकता है।	सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के वाहनो के अनुबन्ध की कापी राज्य स्तर पर उपलब्ध करा दी जायेगी। अवगत कराया गया कि समयोगात्मक पर्यवेक्षण नियमित रूप से सम्पदित किया जाता एवं आख्याएं जल्द अपलोड कराने हेतु जिला कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देशित किया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की समस्त आख्या/चेकलिस्ट www.upnrhm.gov.in एवं RMNCHA पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

6.	सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के परिपेक्ष राज्य में असमंजस्य की स्थिति पायी गयी। जनपदीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट RMNCHA पोर्टल पर अपलोड की जाती है। www.upnrhm.gov.in पोर्टल पर District Upload Facility के माध्यम से आख्या अपलोड करने की जानकारी नही होना बताया गया। उक्त हेतु राज्य स्तर से पत्र प्रेषित किया जाना आवश्यक है ताकि उपरोक्त असमंजस्य की स्थिति न उत्पन्न हो।	उक्त सुझाव के क्रम में राज्य स्तर से समस्त जनपदों को पत्र प्रेषित किया गया है किन्तु जनपद स्तर पर समस्त सदस्यों को जानकारी नही है। जनपद स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों से अपेक्षित है कि राज्य स्तर के निर्देश जनपद/ब्लाक स्तर तक पहुचाना सुनिश्चित करें।	जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई
7.	वित्तीय वर्ष 2018–19 में जनपद अमरोहा में जिला स्वास्थ्य समिति की 10 के सापेक्ष शून्य कार्यकारी निकाय एवं 10 के सापेक्ष शून्य शासी निकाय की बैठको के कार्यवृत्त पोर्टल पर अपलोड की गयी है। वित्तीय वर्ष 2019–20 में जनपद अमरोहा में जिला स्वास्थ्य समिति की 01 के सापेक्ष 01 कार्यकारी निकाय एवं 01 के सापेक्ष शून्य शासी निकाय की बैठक के कार्यवृत्त पोर्टल पर अपलोड की गयी है।	टीम के सदस्यो द्वारा सुझाव दिया गया कि शासी एवं कार्यकारी निकाय की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाये साथ ही समस्त कार्यवृत्त अपलोड कराना सुनिश्चित करें।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक
8.	जनपद में डाटा आडिट की आवश्यकता है। भौतिक आकडों एवं पोर्टल पर अपलोड आकडों में भिन्नता पायी गयी।	ऑकड़ों की नियमित समीक्षा प्रत्येक स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाए। भिन्नता की भी जॉच सुधार करते हुए पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का सुझाव दिया गया।	जनपदीय लेखा प्रबन्धक द्वारा समस्त ब्लाक लेखा प्रबन्धकों को उक्त हेतु सुझाव दिया गया ताकि भिन्नता न आने पायें।
9.	कई 102 एम्बुलेन्स व 108 एम्बुलेन्स में हूटर खराब पाये गये। जनपद में संचालित समस्त 108/102 एम्बुलेन्स में ए0सी0 खराब था। कई एम्बुलेन्स 10 लाख की दूरी तय कर चुकी एवं पुरानी है उनके प्रतिस्थापन की आवश्यकता है। 108/102 के चालक/पायलट मे समुचित जानकारी का आभाव पाया गया। पायलट को वाहन की लागबुक उपलब्ध होने की जानकारी नही थी।	चिकित्सा इकाई के प्रभारी द्वारा नियमित रुप से एम्बुलेन्स के रखरखाव , औषधियों की उपलब्धता एवं लागबुक की जॉच करायी जाये। टीम द्वारा उक्त के क्रम में 108/102 के चालक/पायलट की रिफरेशर ट्रेनिंग कराने का सुझाव दिया गया।	महाप्रबंधक ई0एम0टी0/चिकित्सा अधीक्षक/ ई0एम0ई
10.	वित्तीय वर्ष 2018–19 में बायो मेडिकल वेस्ट हेतु अनुबंधित एजेन्सी द्वारा विग्त कयी माह से बीजक भुगतान हेतु प्रस्तुत नही किये जाने के कारण भुगतान नियमित नही थे। किसी भी चिकित्सक/स्टाफ को एजेन्सी द्वारा किन सेवाओ को अनुबन्ध अनुसार दिया जाना अनिवार्य है, कि जानकारी नही थी।	टीम के सदस्यों द्वारा एजेन्सी से दूरभाष के माध्यम से तत्काल समस्त लम्बित बीजक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया एवं मानक अनुसार नियमित रूप सेवा प्रदान करने को कहा गया	मुख्य चिकित्साधिकारी
11.	जनपद स्तर से समस्त स्वास्थ्य इकाईयों (शहरी व ग्रामीण) पर मुद्रित समस्त रजिस्टर, प्रपत्र, फालोअप कार्ड्स, वाउचर्स, प्रमाणपत्र व आई0ई0सी0 सामग्री पोस्टर्स, पम्पलेट्स के साथ दिवार लेखन हेतु अपडेटेड आई0ई0सी0 उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	समस्त जनपदीय अधिकारियों/ कर्मचारियों को नियमित रूप से पर्यवेक्षण करते हुये सहयोगात्मक कार्यवाही किया जाना अपेक्षित है।	मुख्य चिकित्साधिकारी / जिला कार्यक्रम प्रबंधक
12.	जनपद अमरोहा में उपकेन्दो के सुदढीकरण की आवश्यकता है। उपकेन्द्रों पर 24X7 सेवा प्रदान करने, पानी एवं बीजली की व्यवस्था आदि की आवश्यकता है। उक्त के क्रम में नियमित निरीक्षण एवं आशाओं/ए0एन0एम0 को प्रोत्साहित करते हुये अभिमुखीकरण करने का सुझाव दिया गया।	उपकेन्द्रों का नियमित निरीक्षण जनपद स्तर से अपेक्षित है।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई/ डी0सी0पी0एम0

सामुदायिक गतिविधियॉ : ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र।

गांव– पलौला, ब्लाक– जोया।
सम्पर्क : ए.एन.एम.–श्रीमती .....।

टीम द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। सामुदायिक स्तर की गतिविधियों के आकलन हेतु टीम द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरुप विभिन्न विधाओं के सेवाप्राप्त 05 लाभार्थियों से सम्पर्क किया गया।

- ए0एन0सी0 एवं0 पी0एन0सी0 चेक अप हेतु उचित स्थान उपलब्ध नहीं था। बैनर लगा पाया गया किन्तु की माइक्रोप्लान उपलब्ध नही था।

- हाई रिस्क प्रेगनेन्सी रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। प्रसूती रिकार्ड, लक्षित दम्पत्ति सूची, आदि उपलब्ध नहीं पायी गयी।
- बच्चो व वयस्कों की वजन मशीन उपलब्ध थी। पन्चर प्रुफ वाक्स, जिंक, ओ0आर0एस0, MBI Kit, Sanitary napkin, यूरिन टेस्ट किट एवं ब्लड टेस्ट किट उपलब्ध नही थी।
- सत्र स्थल पर गर्भनिरोधक सामग्री एक–दो पैकट उपलब्ध था, किन्तु वितरण नहीं किया जा रहा था। परिवार नियोजन की जानकारी एवं प्रोत्साहन नही दिया जाता पाया गया।
- कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप उपलब्ध नही था।
- **टीम द्वारा जब गर्भवती माताओं से प्रसव संबंधी वार्ता की गयी तो ज्ञात हुआ कि न तो एम0सी0टी0एस0 नम्बर दिया गया एवं न ही स्वास्थ्य संबंधी कोई जानकारी प्रदान की गयी।**
- **सनैटरी नैपकिन विगत् 01 वर्ष से उपलब्ध नही है।**
- एम0बी0आई0 किट, ई0सी0पी0 उपलब्ध नही पाया गया।
- ब्लाक में अधिकाश माताओं में खून की कमी होने के पश्चात भी सीवियर एनीमिक की लाइन लिस्टिंग नही की जा रही है।
- आशाओं से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि जे0एस0वाई0 का भुगतान लम्बित नही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –अमरोहा, जनपद अमरोहा

सम्पर्क अधिकारी– डा0 उमर फारूख, चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
मानव संसाधन		
चिकित्सा इकाई में 08 चिकित्सक, 06 स्टाफ नर्स, 3 फर्मासिस्ट एवं 01 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तैनात है। 01 एल0एम0ओ0 चिकित्सक तैनात है एवं प्रसव कराये जाते है किन्तु C-Section कम है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र होने के उपरांत बी0पी0एम0यू0 यूनिट स्थापित है एवं सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का वाहन भी पी0एच0सी0 में तैनात चिकित्सक को दिया गया। चिकित्सक/स्टाफ के प्रशिक्षण की आवश्यकता है।	चिकित्सक/स्टाफ के SBA/PPIUCD/NSSK प्रशिक्षण कराये जाने की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ डी0पी0एम0यू0
टीम द्वारा कुछ रोगियों से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि स्टाफ का व्यवहार उनके प्रति अभद्रतापूर्वक रहता है। मानक अनुसार न तो टैक्नीशियन, आशाएं एवं न ही एक्स–रे टैक्नीशियन द्वारा ग्लव, ड्रेस या जैकेट आदि पहने की प्रवृति पायी गयी।	टीम द्वारा व्यवहार सुधारने का सुझाव दिया गया साथ ही समस्त स्टाफ को मानक अनुसार ड्रेस आदि पहनने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सक/स्टाफ
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी। इकाई अयुष्मान भारत जन आरोग्य केन्द्र है किन्तु आन्तरिक व्यवस्था में कोई परिवर्तन नही किया गया। चिकित्सालय मुख्य बाजार के मध्य स्थित है। परिसर के अन्दर सब्जी के ढेले आदि लगे पाये गये तथा यहा–वहां वाहन लगे हुये पाये गये। दो माह पूर्व भी टीम द्वारा चिकित्सा प्रभारी को वाहनो को सही लगवाने के लिये कहा गया था किन्तु भ्रमण दिनांक कोई अग्रेतर कार्यवाही नही की गयी। परिसर में स्टाफ क्वाटर की पुरानी इमारत है। उक्त इमारत के सुदढीकरण की आवश्यकता है। चिकित्सालय में पावर बैकअप की व्यवस्था नही है।	अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया। चिकित्सा प्रभारी इकाई को कायाकल्प की तर्ज पर लाने का प्रयास कर रहे है। घास आदि हटायी गयी है एवं वाइट वास कराया गया है। स्टाफ क्वार्ट एवं बाउण्डी वाल की मरम्मत हेतु प्रस्ताव बना कर मु0चि0अधि0का दिया जाये।	चिकित्सा अधीक्षक

चिकित्सा इकाई की अत्यंत महात्वपूर्ण व्यवस्थाएं निम्नवत् है– 1. वर्षा ऋतु में जलभराव– बरसात में मरीजों के परिसर आना दुर्गम हो जाता है। परिसर की सतह नीची होने के कारण बाजार का सारा गंदा पानी भर जाता है जिससे संक्रमण की सम्भावना भी अधिक हो जाती है। 2. चिकित्सा इकाई में बैठक करने हेतु कोई सभागार नही है। उक्त दशा में आर0के0एस0, आशाओं आदि की बैठक हेतु कोल्ड चेन कक्ष मे वैकल्पिक व्यवस्था की जाती है।	टीम द्वारा निम्नवत् सुझाव दिये गये है– **1.** परिसर की सतह को ऊची किया जाना अपेक्षित है। उक्त हेतु जे0ई0 को प्रस्ताव भी भेजा गया है। वर्षा से पूर्व कार्य करा लिया जाना अपेक्षित है। **2.** चिकित्सा इकाई में बैठक करने हेतु सभागार बनवाने का प्रस्ताव जिला स्तर पर भेजा जाना अपेक्षित है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी / चिकित्सा अधीक्षक
रोगी कल्याण समिति के 05 लाख व्यय किये गये है किन्तु रोगी कल्याण समिति की बैठक, कार्यवृत्त एवं रजिस्टर नही है।	चिकित्सा प्रभारी समस्त अभिलेखों को अद्यतन कराना सुनिश्चित करें।	चिकित्सा अधीक्षक
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। ई0डी0एल0 का अपडेटेड प्रदर्शन किया गया था। हेल्पडेस्क की व्यवस्था नहीं थीं।	जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने तथा हेल्पडेस्क की ब्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सा अधीक्षक कक्ष में वर्ष 2011 से वर्तमान माह तक का उपलब्धि विवरण दर्ज नही था।	अच्छे चार्ट पेपर या बड़े साईज के प्रिण्ट डिस्प्ले करने का सुंझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला। ओ0पी0डी0 के बाहर मरीजो की भीड लगी पायी गयी।	शिकायत पेटिका लगवाने का एवं शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया। मरीजो को पंक्तिगत् लगवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सालय में बी0एम0डब्लू0 के कान्ट्रैक्ट की प्रति उपलब्ध नही था। जिससे संस्था द्वारा दियें जाने वाले कन्जयूमेंबिल्स के संबंध में जानकारी नही थी।	बी0एम0डब्लू0 के कान्ट्रैक्ट की प्रति की चिकित्सालय में उपलब्धता सुनिश्चित करें।	चिकित्सा अधीक्षक
स्टोर में मेडिसिन का रख रखाव समुचित रूप से नही किया गया था।	मेडिसिन का रख रखाव लेबिलिंग कर समुचित रूप से किया जाये ।	चिकित्सा अधीक्षक फार्मासिस्ट
आई0ई0सी0:–परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नही थी। पंजीकरण कक्ष के बाहर गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले नहीं था व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क लिया जा रहा था।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर एवं बंधी पडी आई0ई0सी0 को यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया। गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले करने व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क न लिये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट–चिकित्सालय में Bins उपलब्ध थीं। डस्ट बिन में अलग–अलग रंग की पॉलीथिन नहीं थी। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित स्टाफ का ओरिएण्टेशन कराये जाने की जरुरत है। Medicare Environmental Management Pvt. Ltd., Ghaziabad बी0एम0डब्लू0 वैकल्पिक दिनांक में आता पाया गया।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने व Colour Coded Bins की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
प्रयोगशाला–		
प्रयोगशाला में साफ–सफाई व संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे।	सम्बन्धित को साफ–सफाई व संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो करना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / लैब टेक्निशियन
एक्स रे कक्ष–		
एक्स रे कक्ष में साफ–सफाई का अभाव था। भ्रमण के दौरान एक्स–रे टेक्नीशियन द्वारा लेड अप्रेन का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। चिकित्सालय में आर्थोपेडिक सर्जन की उपलब्धता नही है। फ्रैक्चर एवं दूघटना केस का एक्सरे किया जा रहा था। एक्स–रे टैक्नीशियन से वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि वाटर टैंक, फिल्म कैसेट 10 / 12 एवं 12 / 15 की आवश्यकता है।	चिकित्सा अधीक्षक द्वारा एक्स–रे टेक्नीशियन को निर्देशित किया गया कि ऐसे केसेज को रेफर किया जाए। रेफरल हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / एक्सरे टेक्निशियन
मातृत्व स्वास्थ्य:–		

महिला चिकित्सक तैनात है एवं पिछले माह कुल 99 प्रसव एवं 01 C-Section कराया गया। वित्तीय वर्ष 2018–19 में 92 प्रतिशत व्यय किया गया। मरीजों से ज्ञात हुआ कि चिकित्सालय में भोजन दिया जाता है किन्तु मानक अनुसार भोजन दिया जाना एवं उसके अभिलेख उपलब्ध होना आवश्यक है। लेबर रूम में अतिरिक्त उपकरण, औषधियों की आवश्यकता है। साथ ही साथ ए0सी0 पर्दे / डिजिटल घडी लगवाने की आवश्यकता है।	लेबर रूम अतिरिक्त उपकरण, औषधियों व अन्य आवश्यक सामान उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया गया। उक्त हेतु आर0के0एस0 की धनराशि का प्रयोग किया जा सकता है।	चिकित्सा अधीक्षक
औषधिया / उपकरणंः–		
चिकित्सालय में कयी औषधियों उपलब्ध नही पायी गयी। चिकित्सालय मे Vit. K, Digital Theromometer, Gentamycin, Syp. Nevirapine आदि उपलब्ध नही है।	महात्वपूर्ण उपकरण एवं औषधियों को उपलब्ध कराने हेतु सी0एम0एस0डी0 भण्डार से उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। चिकित्सालय से इन्डैन्ट प्रक्रिया कर तुरत औषधियां उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
परिवार नियोजन–		
कण्डोम बाक्स नहीं लगा था। मात्र कैम्प लगाया जाता है। गर्भनिरोधक साधनों का स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	औषधि वितरण कक्ष के बाहर कण्डोम बाक्स लगवाने का सुझाव दिया गया। तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाए।	चिकित्सा अधीक्षक / जिला फैमिली प्लानिंग स्पेशलिस्ट
रोगियों से हुई वार्ताः–		
वार्ड में भर्ती रागी श्री सौरभ जो कि अध्यापक है, से टीम की हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ उनका इलाज कर रहे है किन्तु दवाएं सब बाहर से लेनी पडती है।	चिकित्सक सर्वप्रथम औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करे एवं प्रयास करे की रोगियों को बाहर की दवाएं न लिखें।	चिकित्सा अधीक्षक / ई0एम0ई0

संलग्न– चेकलिस्ट।

उपकेन्द्र – नन्हेडा अल्यारपुर

सम्पर्क ए0एन0एम0– श्रीमती फरजाना खातून, श्रीमती बिन्दु।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
उपकेन्द परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व दीवारों की रंगाई–पुताई करायी गयी थी। इमारत की छत कयी स्थानो से टूटी पायी गयी एवं सुदढीकरण की आवश्यकता है। बिजली की व्यवस्था नही है एवं दिवार पुरानी व कमजोर होने के कारण बिजली का कार्य कराना सम्भव नही है। परिसर में औषधियां, उपकरण, आक्सीजन सिलेडर एवं फर्नीचर आदि की कमी है।	परिसर की साफ–सफाई व दीवारों की रंगाई–पुताई एवं सुदढीकरण अतिशीघ्र कराने का सुझाव दिया गया। ए0एन0एम0 को प्रत्येक सामग्री यथास्थान रखने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित अधिकारी / ए0एन0एम0
आई0ई0सी0ः–भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
प्रसव कक्षः–लेबर रूम में ट्रेज, एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स, पर्दे आदि मानकानुसार नहीं पाये गये, लेबलिंग नियमानुसार नहीं की गयी थी। वित्तीय वर्ष 2019–20 में 22 प्रसव किये जा चुके है।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स आदि लगवाने का एवं नियमित रूप से औषधियां चैक करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
ए0एन0सी0ः– गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली समस्त सेवाओं की जानकारी ए0एन0एम0 को नहीं थी।	ए0एन0एम0 को जानकारी दी गई व सहायक सामग्रियों का नियमित अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
परिवार नियोजन–गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है। गर्भनिरोधक सामग्रियॉ कण्डोम, माला–एन, आई0यू0सी0डी0 पिछले एक माह से उपलब्ध नहीं है।	गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन करने का सुझाव दिया गया। तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	ए0एन0एम0
दवाईयों एवं उपकरणों को बहुत ही अव्यवस्थित तरीके से रखा गया था।	दवाईयों एवं उपकरणों को ब्यवस्थित तरीके से रखते हुए लेबलिंग करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0

आशाओं को योजनाओं एवं दी जाने वाली प्रोत्साहन राशियों की पूर्ण जानकारी नहीं थी।	बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि बी0सी0पी0एम0 व एच0ई0ओ0 आदि के माध्यम से समस्त योजनाओं के बारे में आशाओं का क्षमता वर्द्वन किया जाए।	बी0सी0पी0एम0 व एच0ई0ओ0
रिकार्ड कीपिंग–ए0एन0एम0 द्वारा ए0एन0सी0 रजिस्टर, परिवार नियोजन रजिस्टर, स्टाक रजिस्टर, वी0एच0एस0एन0सी0 रजिस्टर, सास–बहू सम्मेलन रजिस्टर आदि नहीं दिखाया जा सका।	समस्त रिकार्ड मेण्टेन करते हुए उपकेन्द्र पर रखने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
वित्त–व्यय की गयी धनराशि का अभिलेख नही तैयार किया जाता। उक्त के बीजक ए0एन0एम0 के पास अलग अलग रखे पाये गये। अनटायड फन्ड रू0 15000/– प्राप्त किया गया था किन्तु व्यय विवरण लिखित नही पाया गया।	टीम द्वारा उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष व्यय के अभिलेख तैयार कर रखने का सुझाव दिया गया।	बी0पी0एम0/आशा /ए0एन0एम0/ प्रधान

संलग्न– चेकलिस्ट।

आर0बी0एस0के0 टीम – अहरोरा, काषीराम कालोनी, गजरौला

सम्पर्क अधिकारी– डा संजीता व डा0 साजीद पारा।

भ्रमण टीम ने अहरोरा, काषीराम कालोनी, गजरौला में आर0बी0एस0के0 टीम 'ए' के कार्यो का पर्यवेक्षण किया। टीम में डा0 संजीता, दंत चिकित्सक, डा0 साजीद पारा, बी0यू0एम0एस0, श्रीमती पायल शर्मा, स्टाफ नर्स व श्रीमती संगीता चौहान, स्टाफ नर्स तैनात पाये गये। आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा दिनांक 13.5.19 से 21.5.19 के मध्य 21 बच्चों को संदर्भित किया गया। बच्चो में मुख्यताः सैम, दृष्टि, त्वचा आदि के रोग पाये गये।

जिस आगनवाडी केन्द्र में आर0बी0एस0के0 टीम पायी गयी वहां आगनवाडी केन्द्र के लिए कोई स्थान नही आवंटित है। आगनवाडी केन्द्र कालोनी की तृतीय तल पर कार्यकत्री के गृह पर संचालित है। आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा संदर्भित किये गये बच्चों को अग्रिम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जाना सम्भव नही हो रहा। वित्तीय वर्ष 2018–19 में एक बच्चे की शल्य चिकित्सा न मिल पाने के कारण मृत्यु हुई थी। उक्त दशा में भी आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा बच्चो को दृष्टि दोष सम्बन्धित चिकित्सा उपलब्ध कराये जाने में सफलता पायी गयी। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2013–14 मे एक बच्चे के गुर्दे की पथरी का इलाज कराया गया था।

टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि नोडल अधिकारी एवं डी0आई0सी0 मैनेजर से अपेक्षित है कि आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा संदर्भित किये गये बच्चों को अग्रिम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संदर्भित किये गये जनपदीय अधिकारियों से सम्पर्क स्थापित कर पूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र – मण्डावली, (आयुष्मान भारत हैल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर)

सम्पर्क अधिकारी– डा हितेन्द्र कुमार, चिकित्सा प्रभारी।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
चिकित्सालय के कक्षों के खिडकियों के शीशे एवं जाली टूटे हुये पाये गये।	शीशे एवं जाली को ठीक कराने हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सालय के इमरजेंसी कक्ष की फर्श धसी एवं टूटी हुयी है	कक्ष की फर्श का मरम्मत कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। ई0डी0एल0 का अपडेटेड प्रदर्शन भर नही किया गया था।	जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने तथा ई0डी0एल0 का अपडेटेड प्रदर्शन करने का सुझाव दिया गया ।	चिकित्सा अधीक्षक
मानव संसाधन		
चिकित्सा इकाई में 02 चिकित्सक, 1 फार्मेसिस्ट, 1 लैब टैक्नीशियन व 1 सफाई कर्मी तैनात है। चिकित्सक का प्रशिक्षण लम्बित है। सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का वाहन उपलब्ध है किन्तु भ्रमण नही किये जा रहे है।	चिकित्सकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता है एवं नियमित सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किये जाने की आवश्यकता है।	चिकित्सा प्रभारी
आई0ई0सी0ः–		

परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध थी। किन्तु पर्याप्त नहीं थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
पंजीकरण कक्ष के बाहर गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले नहीं था व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क लिया जा रहा था।	गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले करने व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क न लिये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
स्टोर व अन्य बिन्दु		
स्टोर में दवाईयों आदि का रख–रखाव समुचित रूप से नही किया गया ठीक पाया गया। रिकार्ड भी अद्यतन नही थे।	अपडेटेड लेबलिंग करने का सुझाव दिया गया। साथ ही स्टाक की नियमित उपलब्धता हेतु बफर स्टाक रखते हुए मॉगपत्र प्रेषित करने का सुझाव दिया गया।	चीफ फार्मासिस्ट
वार्ड मे बेड साइड लाकर, स्टूल, ड्रिप स्टैण्ड इत्यादि समुचित मात्रा में उपलब्ध नही थे।	उल्लिखित वस्तुओं की उपलब्धता सुनिशिचित की जाये साथ ही वस्तुएं उपलब्ध न होने की दशा में इण्डेन्ट किया जायें। साथ ही उपलब्ध बेड साइड लाकर, स्टूल, ड्रिप स्टैण्ड को पेंट करा लिया जाये।	चिकित्सा अधीक्षक